दिनांक: 28 जून 2024

यूनेस्को द्वारा केरल के कोझिकोड शहर को साहित्य की नगरी के रूप में मान्यता देना

(यह लेख यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र – 1 के अंतर्गत ' भारतीय इतिहास, कला एवं संस्कृति, भारतीय साहित्य ' खंड से और यूपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा के अंतर्गत ' केरल का कोझिकोड शहर, सिटी ऑफ लिटरेचर, यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क , कुंडलता (Kundalatha) ' खंड से संबंधित है। इसमें योजना आईएएस टीम के सुझाव भी शामिल हैं। यह लेख ' दैनिक करेंट अफेयर्स ' के अंतर्गत ' यूनेस्को द्वारा केरल के कोझिकोड शहर को साहित्य की नगरी के रूप में मान्यता देना ' से संबंधित है।)

खबरों में क्यों ?

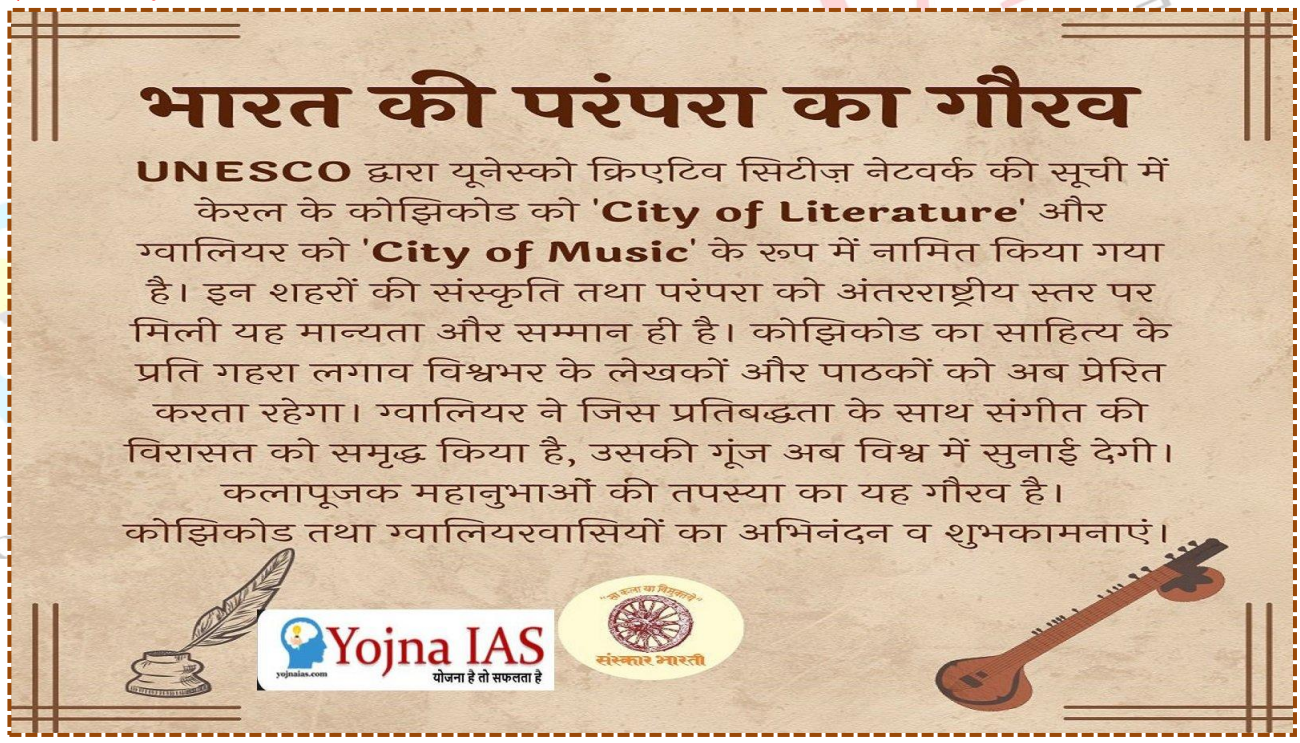

- हाल ही में UNESCO ने यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN) के अंतर्गत केरल के शहर कोझिकोड को ' **साहित्य की नगरी** ' यानी ' **सिटी ऑफ लिटरेचर** ' के रूप में मान्यता दी है।

यूनेस्को (UNESCO) :

- यूनेस्को (UNESCO) (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) विश्व भर में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (UN) का एक विशेष संगठन है।
- यह शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

- UNESCO का उद्देश्य विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना है।
- यह ज्ञान साझा करने और विचारों की मुक्त बहाव को बढ़ावा देता है ताकि हम एक-दूसरे के जीवन के बारे में अधिक अच्छी जानकारी प्राप्त कर सकें।
- यूनेस्को के कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र की 2015 में जनरल असेंबली द्वारा अधिकृत 2030 एजेंडा में निर्धारित स्थायी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करते हैं।

UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क :

- UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN) का उद्देश्य विश्व भर में क्रिएटिव शहरों के साथ साथ उनके सांस्कृतिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्थन प्रदान करना है।
- UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN) की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी।
- इस नेटवर्क में शहरों को शामिल करने हेतु सात रचनात्मक क्षेत्रों को शामिल किया जाता है। **जो निम्नलिखित है–**

1. **शिल्प और लोक कला :** इसमें स्थानीय कला, शिल्प, फोल्कलोर, और जनजातीय कला शामिल हैं।
2. **डिज़ाइन :** डिजाइन, फैशन, ग्राफिक्स, और अन्य रचनात्मक कला शामिल होते हैं।
3. **फिल्म :** इस श्रेणी के तहत सिनेमा, डॉक्यूमेंट्री, और अन्य फिल्म शैलियों या विधाओं का समावेश होता है।
4. **पाक-कला (गैस्ट्रोनॉमी) :** पाक – कला श्रेणी के तहत खाने-पीने की संस्कृति, खासकर खास व्यंजनों की रचना और उसकी प्रस्तुति शामिल है ।
5. **साहित्य :** यूनेस्को के द्वारा क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क के तहत साहित्य की श्रेणी में भाषा, साहित्य, लोककथाएँ और अन्य लेखन साहित्यिक विधा शामिल है।
6. **मीडिया कला :** इस श्रेणी के तहत टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल मीडिया, और अन्य मीडिया प्रारूप शामिल हैं।
7. **संगीत :** इस श्रेणी के तहत संगीत, गायन, वाद्य, और अन्य संगीत से संबंधित शैलियों का समावेश किया जाता है।

- यह नेटवर्क विभिन्न शहरों के महापौरों और अन्य हितधारकों के बीच वार्षिक सम्मेलन के माध्यम से सांस्कृतिक विनिमय और सहयोग को बढ़ावा देता है।
- वर्ष 2024 में यह सम्मेलन जुलाई माह में पुर्तगाल के ब्रागा में आयोजित किया जाएगा।

UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN का मुख्य उद्देश्य :

- वर्ष 2024 में UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN)के तहत 350 शहर शामिल हैं।
- UNESCO क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN) एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान है जो शहरों को सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों के विकास के लिए समृद्धि की ओर अग्रसर करने का लक्ष्य रखती है।
- UCCN के मुख्य उद्देश्यों में से एक है स्थानीय समुदायों को रचनात्मकता के क्षेत्र में अग्रसर करने के लिए समर्पित होना।
- यह शहरों को उनके स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित करने और उनके रचनात्मक उद्योगों को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- इसके अलावा, UCCN शहरों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का भी प्रयास करता है।
- यह शहरों को अपने रचनात्मक उत्पादों को विश्व भर में प्रसारित करने के लिए माध्यम प्रदान करता है और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दृढ़ता से जुड़ने का मौका देता है।
- केरल के कोझिकोड को UCCN के द्वारा "City of Literature" (साहित्य की नगरी) के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह एक महत्वपूर्ण घटना है, क्योंकि यह शहर अपनी साहित्यिक और रचनात्मक विरासत के लिए प्रसिद्ध है और अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुका है।

UCCN में भारत के कौन – कौन शहर शामिल हैं ?

भारत में UCCN के तहत निम्नलिखित शहर शामिल हैं –

1. **कोझिकोड:** केरल की साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत की कई प्रमुख हस्तियाँ, प्रमुख मीडिया हाउस, और अनेक पुस्तकालय (500 से अधिक) यहाँ विद्यमान हैं। इसके अलावा, कुछ वर्षों में यहाँ कई फिल्में बनी हैं और रंगमंच के पेशवरों ने अपनी पहचान बनाई है। पहले मलयालम उपन्यास **"कुंडलता" (Kundalatha)** की रचना

वर्ष 1887 में कोझिकोड में अप्पू नेदुंगडी द्वारा की गई थी। यहाँ के कवियों, विद्वानों और प्रकाशकों ने मलयालम साहित्य और सांस्कृतिक विविधता में योगदान किया है।

2. **जयपुर :** यह शिल्प और लोक कला के क्षेत्र में शामिल है। (2015)
3. **वाराणसी :** यह क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक के रूप में शामिल है। (2015)
4. **चेन्नई :** यह क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक के रूप में शामिल है। (2017)
5. **मुंबई :** यह फिल्म के क्षेत्र में शामिल है। (2019)
6. **हैदराबाद :** यह पाक-कला के क्षेत्र में शामिल है। (2019)

7. **श्रीनगर** : यह शिल्प और लोक कला के क्षेत्र में शामिल है। (2021)

प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. यूनेस्को द्वारा भारत के किस प्रसिद्ध रचना की पांडुलिपियों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है? (UPSC – 2018)

A. रामचरित मानस
B. महाभारत
C. सामवेद
D. ऋग्वेद

उत्तर – D

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क से आप क्या समझते हैं ? यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क के मुख्य उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए इस नेटवर्क में विभिन्न श्रेणियों में शामिल भारत के प्रमुख शहरों का नाम और उसका महत्त्व का विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। (शब्द सीमा – 250 अंक – 15)

Dr. Akhilesh Kumar Shrivastava